

Breaking Bad News

Disclosing Illness and Death to Children in the Covid Crisis 29th May, 2021

SAMVAD

**Support, Advocacy & Mental health
interventions for children
in Vulnerable circumstances And
Distress**

**(A National Initiative & Integrated
Resource for Child Protection, Mental
Health, & Psychosocial Care)
Dept. of Child and Adolescent
Psychiatry**

**National Institute of Mental Health &
Neurosciences (NIMHANS), Bangalore**



SAMVAD



(Support, Advocacy & Mental health interventions for children in Vulnerable circumstances And Distress)
(A National Initiative & Integrated Resource for Child Protection, Mental Health & Psychosocial Care)
Dept. of Child and Adolescent Psychiatry, NIMHANS, Bangalore

Supported by: **Ministry of Women & Child Development, Government of India**



ब्रेकिंग बेड न्यूज़:

**बच्चों के समक्ष कोविड संकट से जुड़ी
बीमारी और मृत्यु के बारे में बातचीत
करना ।**

शनिवार , 29 May 2021

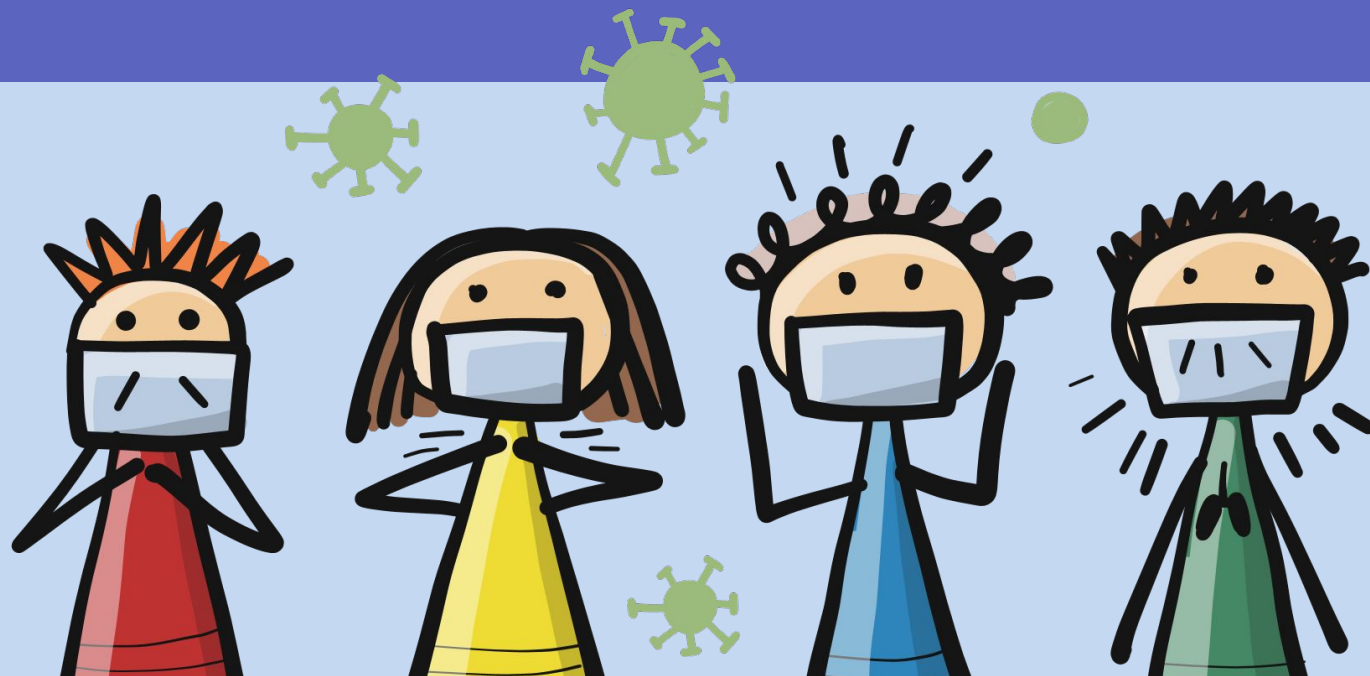
5:30-8:00PM

उद्देश्य

हमें बच्चों से COVID के बारे में क्यों बात करनी चाहिए?

प्रकटिकरण (disclosure) का अर्थ ? (COVID-19 के संदर्भ में)

बच्चे को माता-पिता / देखभालकर्ता की बीमारी के बारे में कैसे बताएँ??



वायरस की गंभीरता-
तीव्र

संक्रामकता और प्रसार के
स्तर-तीव्र

मृत्यु दर -तीव्र

सार्वजनिक स्वास्थ्य
प्रणाली पर बोझ- तीव्र

NEWS18/NEWS/INDIA/WITH CHILDREN BECOMING ORPHANS DUE TO COVID, NGO'S & CARE CENTERS STRUGGLE TO KEEP THEM SAFE

With Children Becoming Orphans Due to Covid, NGO's & Care Centers Struggle to Keep Them Safe



Image for representation.



A file photo of an orphan at Balgran charitable Orphanage home in Jammu, India, 24 April 2020. Source: EPA

COVID is leaving hundreds of Indian children orphaned. Now there are concerns of child trafficking

India's COVID crisis has left a wave of new orphans to fend for themselves, and

Covid-19 second wave leaves many children orphaned and vulnerable across India

While some have lost both their parents, others are in a situation where a single surviving parent is unable to take care of them financially and psychologically.



Covid is leaving kids orphaned but adoption pleas are illegal

Mohua Das | TNN | May 10, 2021, 04:52 IST



Representative image

Get Notifications on latest India News

In the midst of cries for oxygen, hospital beds and emergency drugs on social media, a desperate appeal from people in need

OPEN IN APP

बढ़ते जोखिम और उनके परिणाम

- माता-पिता/देखभाल करने वाले/परिवार के सदस्य कोविड रोग के कारण बीमार पड़ रहे हैं।
- बच्चे भ्रमित और अशांत -अव्यवस्था को समझने हेतु संघर्ष कर रहे हैं ।
- वयस्क अपने स्वयं के परेशानी, प्रशासनिक औपचारिकताओं, और अंतिम समय की व्यवस्था में व्यस्त रहते हैं। बच्चों और उनकी चिंताओं को अनदेखा करते हैं ।
- बच्चे पड़ोसियों या रिश्तेदारों से मृत्यु के बारे में बातचीत सुनते हैं और अपने और अपने माता-पिता / देखभाल करने वाले की भलाई के बारे में अधिक चिन्तित हैं।
- बच्चे भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं के जोखिम में- उनको अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका नहीं मिलता है
- बढ़ता भ्रम और भय।



आइए अब बीमारी का खुलासा करने के बारे में कुछ
मिथकों और तथ्यों की जाँच करें



FACTS
~~MYTHS~~

**बच्चों को बीमारी के बारे में बताने से
वह बेवजह डर जाएंगे ।**

**बच्चे बीमारी के बारे में जानकारी और
इसको समझने में सक्षम नहीं होते हैं ।**

**बच्चे वयस्क द्वारा अनुभव की जा
रही चिंताओं को प्रतिबिंबित करते हैं**

|

अंतिम खुलासा हो जाने के बाद, न तो परिवार और न ही बच्चे को कोविड बीमारी के बारे में बात करनी चाहिए।

हम आमतौर पर इन चिंताओं का कैसे जवाब देते हैं?

ध्यान भटकाना	“मम्मी और पापा आपके लिए कुछ उपहार लेने बाजार जा रहे हैं।”
पूर्ण तरीके से आश्वासन देना	“आपके माता-पिता निश्चित रूप से बेहतर होंगे, चिंता न करें।”
	“रो मत सब ठीक हो जाएगा।”
झूठा आश्वासन	“बस भगवान से प्रार्थना करो..... कोई नहीं जानता क्या होगा..... मुझे तो बस तुम्हारी चिंता है।”
	“सारी चिंता हम पर छोड़ दो, किसी बात की चिंता मत करो।”
अवोइडेन्स	“आप देखते हैं कि चीजें कितनी मुश्किल हैं? कृपया चुप रहें हम थक गए हैं।”
	“तुम अब इतने छोटे नहीं रहे.....कृपया थोड़ा और जिम्मेदार बनो..... और अधिक समस्या पैदा मत करो।”
पूर्ण निराशा	“कोई नहीं जानता, तुम्हारे पिता की भी मृत्यु हो सकती है।”

प्रकटिकरण में बाधाएं

- यह हमें असहज महसूस कराता है ... हमें नहीं पता कि क्या कहना है।
- हमें डर लगता है क्योंकि हमारे पास जवाब नहीं है ।
- हम मानते हैं बच्चे नहीं समझेंगे ।
- हम सुरक्षात्मक महसूस करते हैं और हम बच्चों को परेशान होने से बचाना चाहते हैं ।
- हम बच्चों की प्रतिक्रियाओं के बारे में भविष्यवाणियां करते हैं और महसूस करते हैं कि चुप रहना उनके भावनात्मक परेशानियों से निपटने का सबसे अच्छा तरीका होगा।
- हमें डर है कि यह उन्हें और ट्रिगर कर सकता है।



याद रखें ...

बच्चे जिज्ञासु होते हैं।

उनके पास प्रश्न हैं।

वे जानना चाहते हैं।

उन्हें जानने की जरूरत है।

उन्हें जानने का अधिकार है।

प्रकटीकरण के सिद्धांत

- यह एक बार की प्रक्रिया नहीं है
- उम्र उपयुक्त प्रतिक्रिया दें
- सच बोलें, झूठ नहीं
- आशा और आश्वासन दें

आइए कुछ मामलों (केस स्टडीज) की गंभीरता से जांच करते हैं ।



प्रकटीकरण की आवश्यकताओं को समझना

लुलु 7 साल की है, उसके माता-पिता दोनों COVID के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। वह अपने दादा-दादी के साथ रह रही है। उसे उसके माता-पिता के बारे में नहीं बताया गया

है, उसे बताया गया था कि वे एक व्यापार यात्रा के लिए गए थे।

हाल ही में वह अपने दादा-दादी से पूछ रही हैं कि उन्हें वापस आने में कितना समय लगेगा ? उसने अपने दादा से अपने माता-पिता को फोन करने के लिए कहा ताकि वह उनसे बात कर सके।

वह अपने माता-पिता के बारे में पूछती और रोती रहती है, वे हर रोज़ अपने माता पिता की राह देखती है । उसके दादा-दादी उलझान में हैं कि बच्चे को खबर कैसे दी जाए।

लुलु के मन में क्या प्रश्न और विचार होंगे?

मुझे अपने माता-पिता से मिलने की अनुमति
क्यों नहीं है?

मैं घर वापस जाना चाहती
हूँ।

मेरे माता-पिता कहाँ हैं?



मैं अपनी माँ का बना खाना खाना चाहती हूँ

क्या मेरे माता-पिता
कभी नहीं वापस लौटेंगे?

मैं अपने माता-पिता के साथ बाहर
जाना चाहती हूँ

मैं अपने माता-पिता
के साथ बाहर नहीं
गई हूँ

लुलु के विचार

मेरे माता-पिता कब वापस आएंगे ?

15 साल के रघु की मां अपने पति को लेकर चिंतित है। रघु के पिता पिछले 4 दिनों से अस्पताल में हैं। वह अक्सर रोती है। रघु जब भी उनसे पूछता है तो उसकी माँ रो पड़ती है।

वह लगातार पूछ रहा है कि उसके पिता कब वापस आएंगे? उसने अपनी माँ की रिश्तेदारों से बातचीत करते सुना है। उसने समाचारों में सुना है कि COVID की दूसरी लहर पहली लेहेर की तुलना में डरावनी है। वह सारा दिन सभी यूट्यूब फुटेज देखता है। वह चिंतित है।

वह "परिपक्वता" (maturity) के साथ "जिम्मेदारी से" बर्ताव कर रहा है। उसकी दादी ने उसे फोन पर बताया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। वह परिवार का एक जिम्मेदार सदस्य है और उसे अपनी माँ की देखभाल करनी चाहिए नाकि इतने सवाल पूछने चाहिए ।

**रघु के मन में क्या प्रश्न और विचार
होंगे?**

मुझे उम्मीद है कि यह वायरस
चला जायेगा

मुझे कोई क्यों नहीं बता रहा है कि क्या हुआ है?

अगर मेरी माँ को कुछ हो गया तो क्या होगा?

क्या हम सब
मरेंगे?



मुझे अब अपनी माँ की देखभाल करनी
है

मुझे आशा है कि मेरे पिता
वापस आएंगे

चाचा मनोज की मृत्यु हो गई
वे उसे अस्पताल ले गए ...

रघु के विचार

अब हमारी देखभाल कौन करेगा?

बच्चों को बताना आवश्यक क्यों है ?

- असंसाधित बातचीत, चुप्पी लेना और ध्यान भटकाने से बच्चों की चिंता बढ़ सकती है।
- नकारात्मक विचारों के कारण कठिन भावनाएं उत्पन्न होती हैं।
- आधे उत्तर और प्रतिक्रियाएँ बच्चों को भ्रमित करती हैं - इससे उनकी नकारात्मक भावनाएं जागरूक होती हैं और उससे वह अपने अनुभवों को गलत मतलब दे देते हैं।
- सामान्यीकृत प्रतिक्रियाएं बच्चों को निराशाजनक बनाती हैं और कम भरोसा देती हैं।
- बच्चे अपने अनुभवों के आधार पर किसी को खो देने की अपनी समझ बना लेते हैं - जैसे उन्होंने वह पड़ोसियों, रिश्तेदारों, समाचारों से क्या सुना है।

फिर हमें बीमारी के बारे में कैसे बात करनी चाहिए और बच्चे को माता-पिता/देखभाल करने वाले की बीमारी के बारे में कैसे बताना चाहिए?

When Spots Went Away



<https://www.youtube.com/watch?v=Y9MVfyTNvTs>

कहानी के आधार पर हम बच्चों से किस तरह के प्रश्न पूछ सकते हैं- “वेन स्पोर्ट्स वेंट अवे” ?

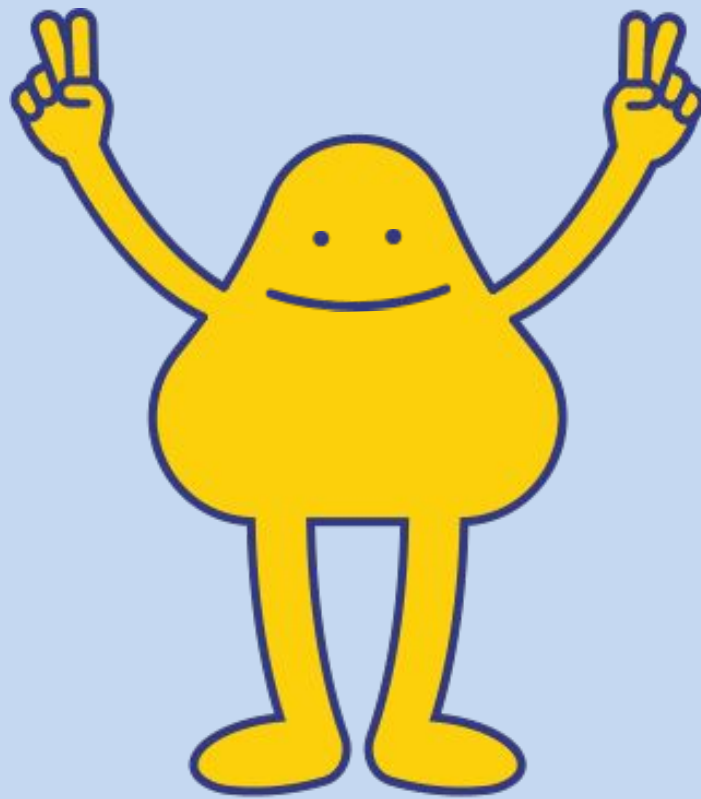
चर्चा

- स्पाॅट्स कौन था?
- तारिक के लिए स्पाॅट इतना खास क्यों था?
- स्पाॅट्स के चले जाने पर तारिक को कैसा लगा?
- स्पाॅट्स को क्या हुआ?
- क्या आपको लगता है कि तारिक को स्पाॅट्स से प्यार था और उसने उसकी देखभाल की?
- क्या आपको लगता है कि तारिक की वजह से स्पाॅट हमेशा के लिए चला गया?
- तारिक के माता-पिता ने उसे क्या बताया जब उसे गोल्डी से दूर हो जाने की चिंता थी?
- तारिक तारिक ने स्वप्न होने पर क्या कहा ? क्या तारिक को अंत में अच्छा

अपने बाँस खुद बने
कोरोना वरी माँस्टर से लड़ना



आईये आज इस कॉमिक्स के माध्यम से बात की शुरुवात करें



प्रकटीकरण के लिए एक चरण-वार मार्गदर्शिकाप्रतिक्रिया
स्क्रिप्ट विकसित करना

चरण 1 स्वास्थ्य और सुरक्षा पर परिप्रेक्ष्य का
निर्माण

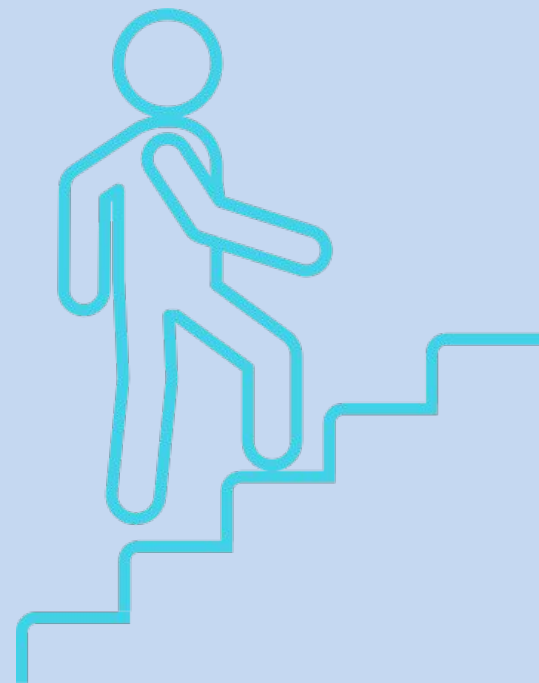
चरण 2 बड़ी और छोटी बीमारियों की व्याख्या

चरण 3 कोविड को बीमारी के रूप में समझाना

चरण 4 आश्वासन और आशा प्रदान करना

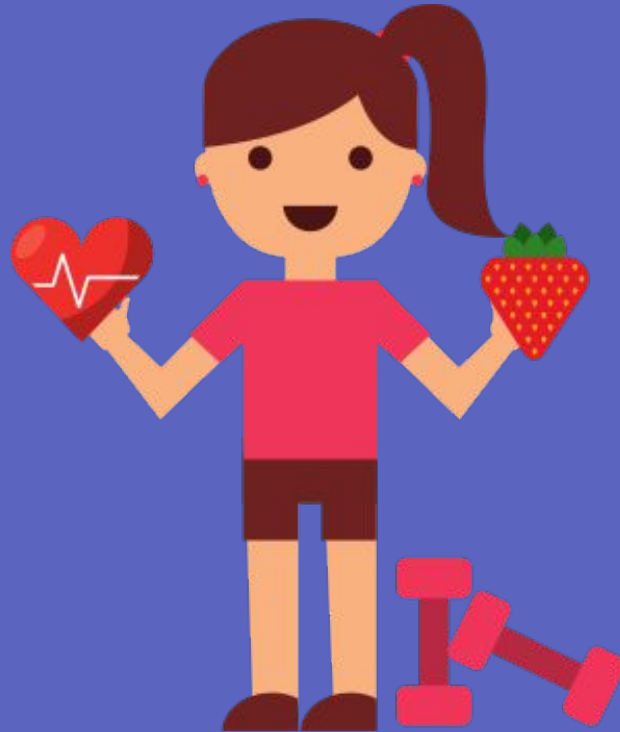
चरण 5 अतिरिक्त प्रश्नों को प्रोत्साहित करना

और उनका उत्तर देना

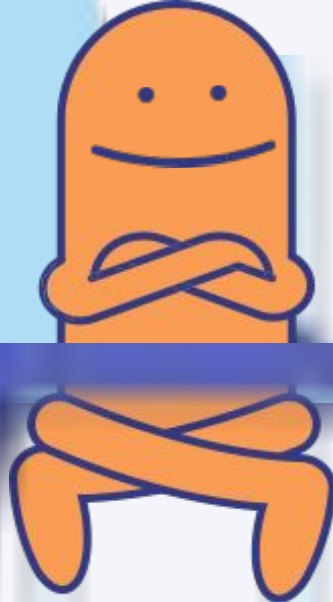


पहला कदम

स्वास्थ्य और बीमारियाँ



हम कहते हैं कि हम स्वस्थ हैं जब हमें लगता है कि हम अच्छे से खा सकते हैं, सो सकते हैं, पढ़ाई कर सकते हैं , जब हम अच्छा महसूस करते हैं और हम उन चीजों को करना चाहते हैं जो हमें पसंद हैं

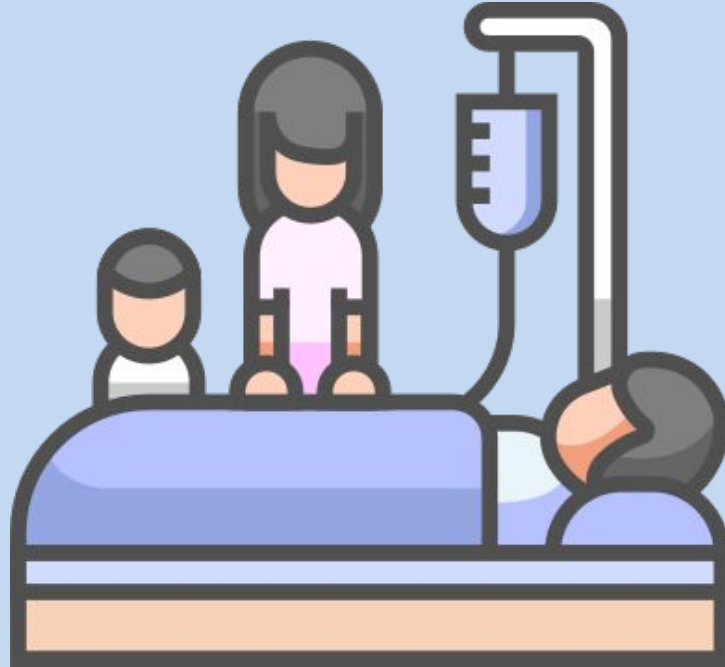


हम कहते हैं कि हम स्वस्थ नहीं हैं और अच्छा महसूस नहीं कर रहे जब हम खा नहीं पाते, सो नहीं पाते.....हम वह चीजें नहीं कर पाते जो हम पहले एन्जॉय करते थे....



STEP -2

बड़ी और छोटी बीमारियाँ





कभी-कभी जब हम स्वस्थ महसूस नहीं करते हैं तो हम दवा लेते हैं ... जैसे खांसी, सर्दी, पेट खराब होना, सिरदर्द, दांत में दर्द ... आदि।

ये बीमारियां हैं छोटी-छोटी बीमारियां, हम दवा लेते हैं और ये चली जाती हैं

बड़ी बीमारियों को समझाना ...



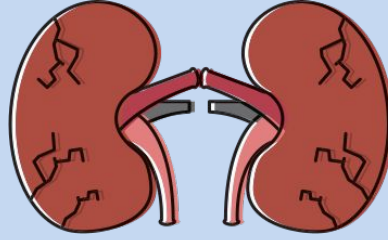
लेकिन कभी-कभी, दवाओं के साथ भी लोगों को अस्पताल जाना पड़ता है क्योंकि उन्हें विशेष और ज़्यादा मदद की आवश्यकता होती है ताकि वो स्वस्थ हो पाएं।

ये आमतौर पर ऐसे लोग होते हैं जिन्हें बड़ी बीमारियाँ हैं।

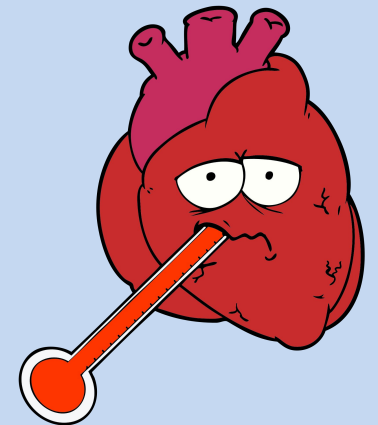
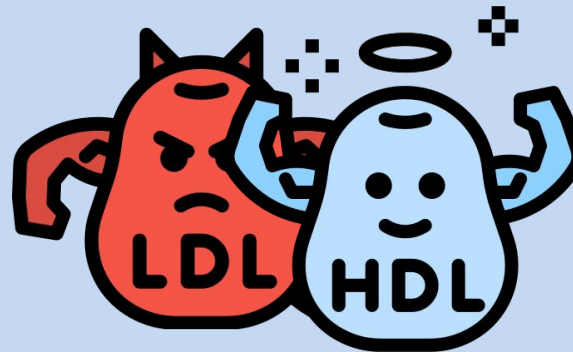
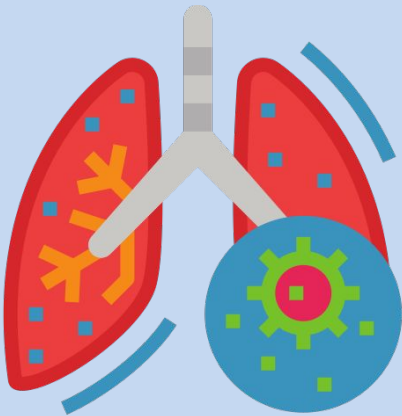
यह बड़ी बीमारियां इतनी आसानी से दूर नहीं जातीं और लंबे समय तक जारी रह सकती हैं।

जब हमें बड़ी बीमारियाँ होती हैं तो हमें डॉक्टर के पास जाना पड़ता है, और हम लंबे समय तक दवाएँ लेते हैं, शायद जीवन भर के लिए भी,

अगर किसी को बड़ी बीमारी है तो उसे अस्पताल में ले जाना चाहिए और वहाँ से ठीक होने तक रुकना चाहिए।



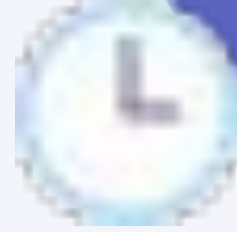
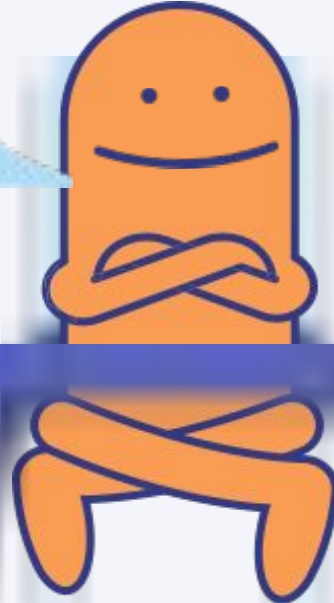
कुछ बड़ी बीमारियां हैं - हृदय से सम्बंधित रोग, रेस्पिरेटरी रोग, कोलेस्ट्रॉल, उच्च ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, फैटी लीवर, पथरी (गुर्दे की)



तीसरा कदम

COVID एक बीमारी के रूप में

अपने कोरोना वायरस
के बारे में बोहोत कुछ
सुना होगा



शायद

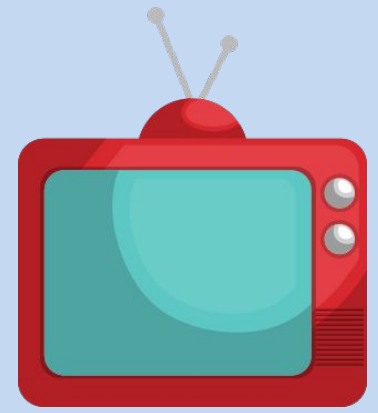
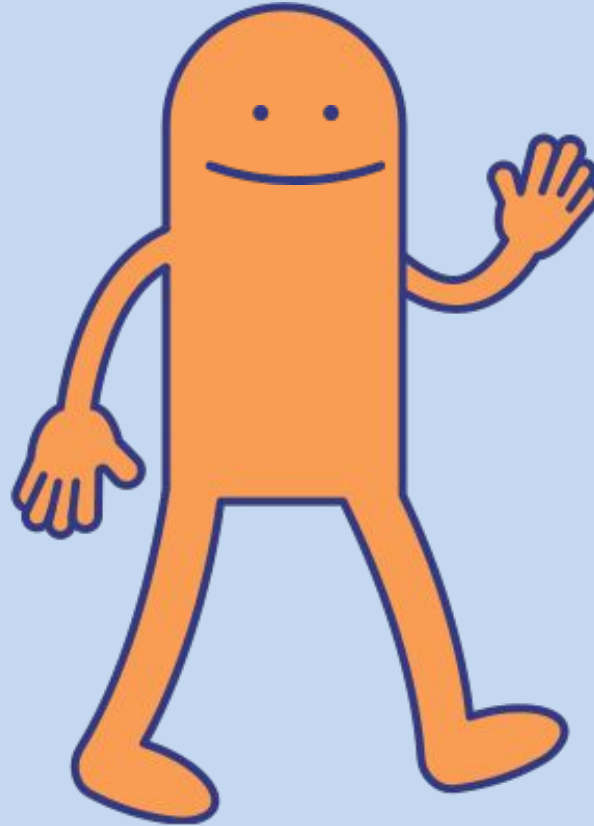


घर
पर



अखबार में

टेलीफोन
पर



टी वी पर



इंटरनेट पर

तो ... आपके इसके बारे में बहुत सवाल
होंगे...

ये वायरस कहां हैं...??

यह वायरस कौन हैं?

यह कहाँ से आया है?

लोग बीमार क्यों पड़ रहे हैं?

क्या इसका अंत होगा और ये नष्ट हो
जायेगा ?

क्या यह वायरस हमें कभी अकेला
छोड़ेगा ?

क्या वायरस

क्या चीजें वापस से ठीक हो पाएंगी ?



तोकोरोना एक ऐसा वायरस है जो अभी डिस्कवर
किया गया है

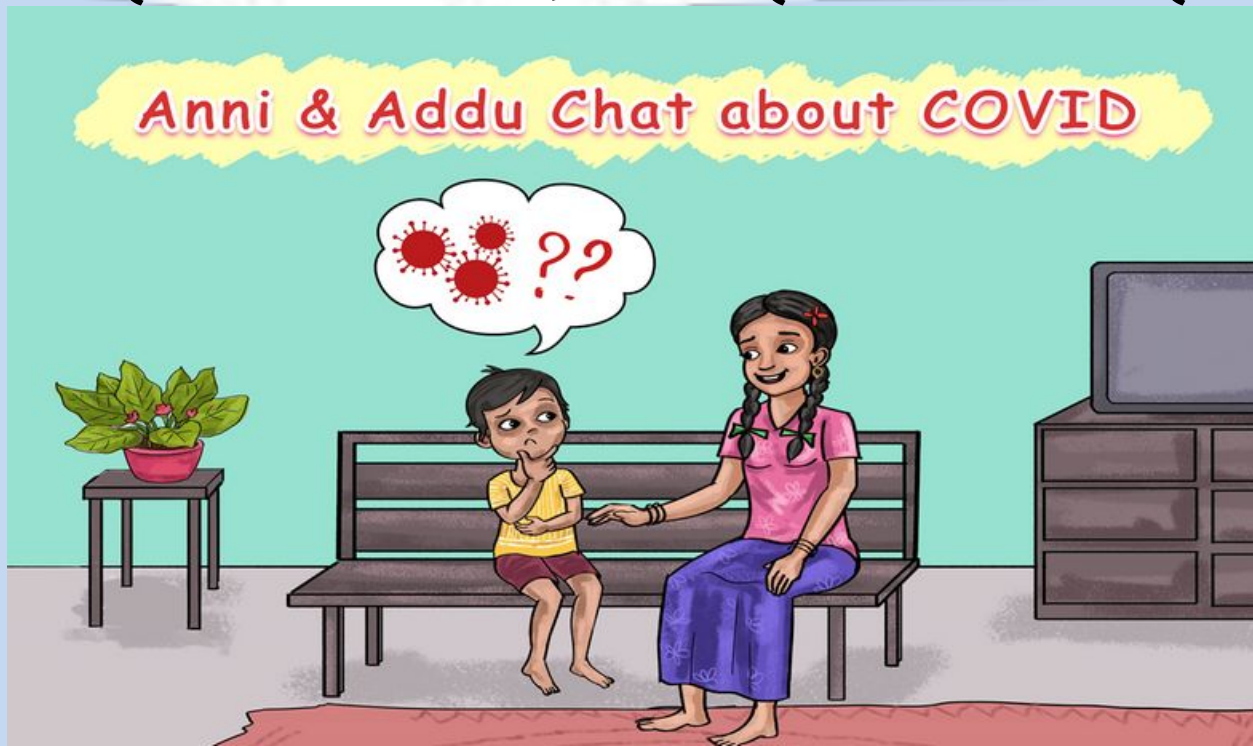
वायरस एक बहुत ही छोटा जीव होता है...

आंख से आपको नहीं दिखेगा।

यह लोगों को बीमार करता है।

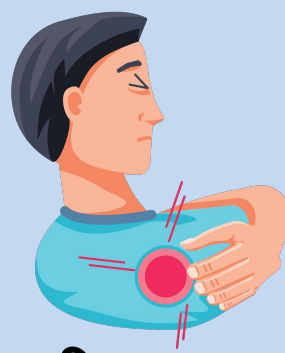
यह एक बीमारी पैदा करता है जिसका नाम है

Anni & Addu Chat about COVID





जुखाम



शरीर में दर्द



बुखार

कोई व्यक्ति जिसे COVID-19 या कोरोना वायरस इन्फेक्शन हो जाता है, उसे सामान्य फलू जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं या कभी-कभी ऐसा भी हो सकता है की उनमें कोई लक्षण भी नहीं दिखेगा।

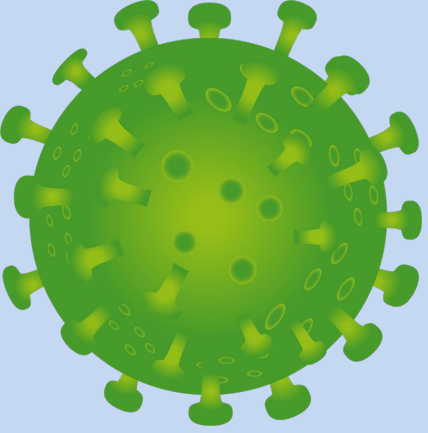


सांस लेने में
कठिनाई



खांसी





कोई ऐसा विशेष प्रकार का व्यक्ति नहीं
जिन्हें COVID हो सकता है
बीएमरियन किसी को भी हो सकती हैं...
लड़का...लड़की....चाचा ..चाची... दादी...

बच्चों को भी

यह वायरस खांसने, छींकने,
या किसी ऐसे व्यक्ति के सीधे
संपर्क में आने से COVID फैल सकता है

--

किसी ऐसे व्यक्ति के आसपास होने से
भी जिसे COVID हो सकता है
जिनको पहले से ही COVID है



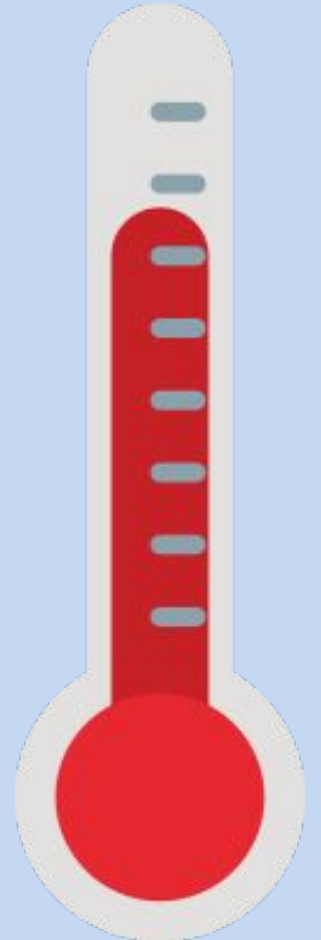
हालाँकि, हम सभी रिस्क पर हैं, लेकिन कुछ लोगों को COVID रोग होने की संभावना कुछ ज़्यादा **होती है...**

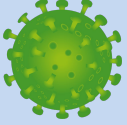


चौथा कदम

COVID बीमारी - बड़ी या छोटी

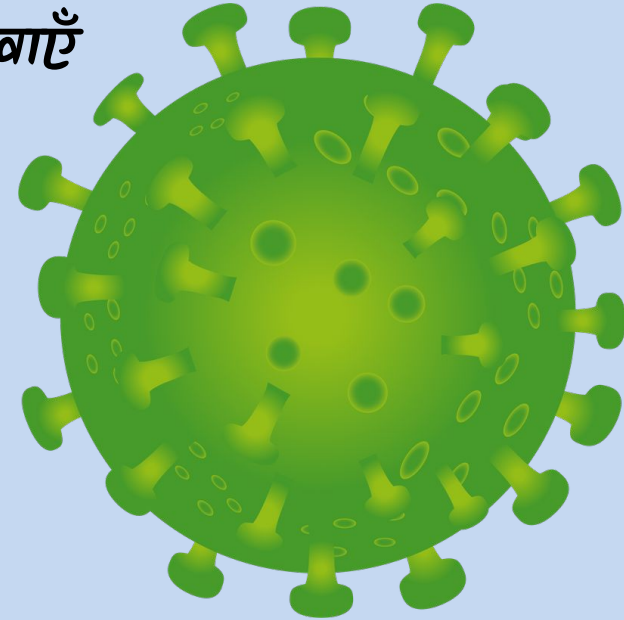
कुछ लोगों के लिए COVID एक बड़ी
बीमारी बन सकती है और कुछ लोगों के
लिए यह एक छोटी बीमारी है





जब COVID एक छोटी बीमारी की तरह होती है

छोटी बीमारी का मतलब यह है की यह बीमारी **बोहोत ताकतवर नहीं है।** जिन लोगों को छोटी बीमारियाँ होती हैं वे आराम कर सकते हैं, गर्म लिक्विडपी सकते हैं.. घर पर रह सकते हैं, दवाएँ लेते हैं और फिर ठीक हो सकते हैं



जब COVID बड़ी बीमारी की तरह होती है

कुछ लोगों को बड़ी बीमारियाँ भी हो सकती हैं। उन्हें अस्पताल जाना पड़ सकता है और ठीक होने तक वहीं रहना पड़ सकता है।

ये आमतौर पर वह लोग होते हैं जो बुजुर्ग होते हैं, या कमजोर होते हैं...

अगर कोई हमारा जानने वाला अस्पताल में है तो हम फिर भी वॉयस कॉल, वीडियो कॉल के माध्यम से उनके संपर्क में रह सकते हैं या एक ईमेल या पत्र भी लिख सकते हैं।

केवल कुछ मामलों में, जब बीमारी बहुत बड़ी होती है तब दवाएं काम नहीं करती हैं और लोग स्वस्थ नहीं हो पाते। जब वह दवा से भी ठीक नहीं होते हैं, तो उनके शरीर काम करना बंद कर सकते हैं और उनकी मृत्यु हो सकती है।



आपके या किसी के लिए डर और चिंता महसूस करना
काफी स्वाभाविक है
कभी-कभी दूसरों को बीमार देख कर हमें चिंता
होती है

लेकिन आप जानते हैं
किसी भी अन्य बीमारी की तरह अगर हम अपने
आप को सुरक्षित रखें , कुछ सेफ्टी रूल्स का
पालन करें तो हम COVID को रोक सकते हैं और
अपनी रक्षा कर सकते हैं

पांचवा कदम
आश्वासन और आशा



"हम यह उम्मीद भी रख सकते हैं कि बीमार लोग ठीक हो सकते हैं"



हम समझते हैं की चीज़ें इस समय दुखद और डरावनी लग रही हैं

लेकिन यह हमेशा के लिए नहीं है। चीज़ें धीरे-धीरे बेहतर होंगी...

हमें सुरक्षित रखने के और वैक्सीन बनाने के लिए डॉक्टरों ने बहुत

मेहनत की है और अभी भी कर रहे हैं- पूरा दिन, पूरी रात।

वैक्सीन एक ऐसी चीज है जो हमारे शरीर में कोरोना वायरस से लड़ने

के लिए लगाई जाती है, अगर वह हमारे शरीर पर हमला करने की

कोशिश करती है।

इसलिए अगर हम सेफटी रूल्स का पालन करते रहें, अपना ध्यान

रखते हैं, वैक्सीन प्राप्त करते हैं तो हम सुरक्षित रह सकते हैं।

याद रखें वैक्सीन 100 प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं देती



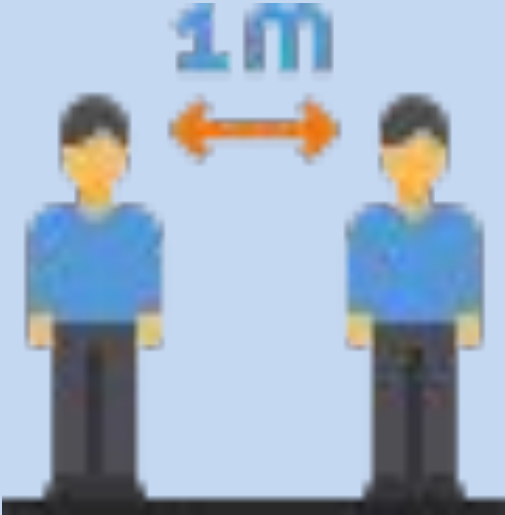
ये कुछ सेफटी रूल्स हैं जिनका पालन करके हम सुरक्षित रह सकते हैं



मास्क पहनना



हाथ धोना और सनीटाईज़ करना



सामाजिक दूरी बनाये रखना



घर पर रहना

अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए हम और भी चीज़ें कर सकते हैं



शारीरिक व्यायाम



पौष्टिक खाना

पढ़ना और सीखना

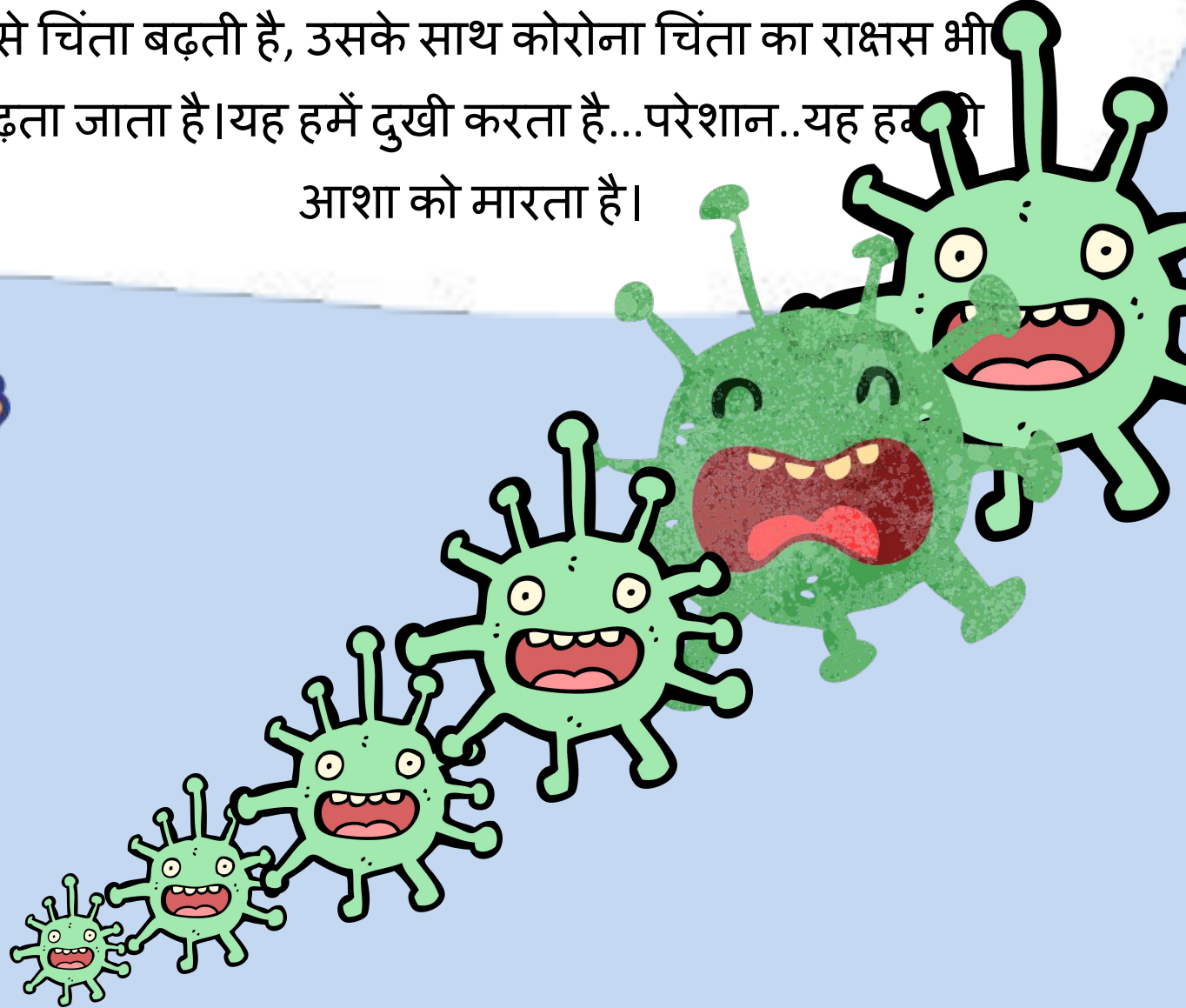


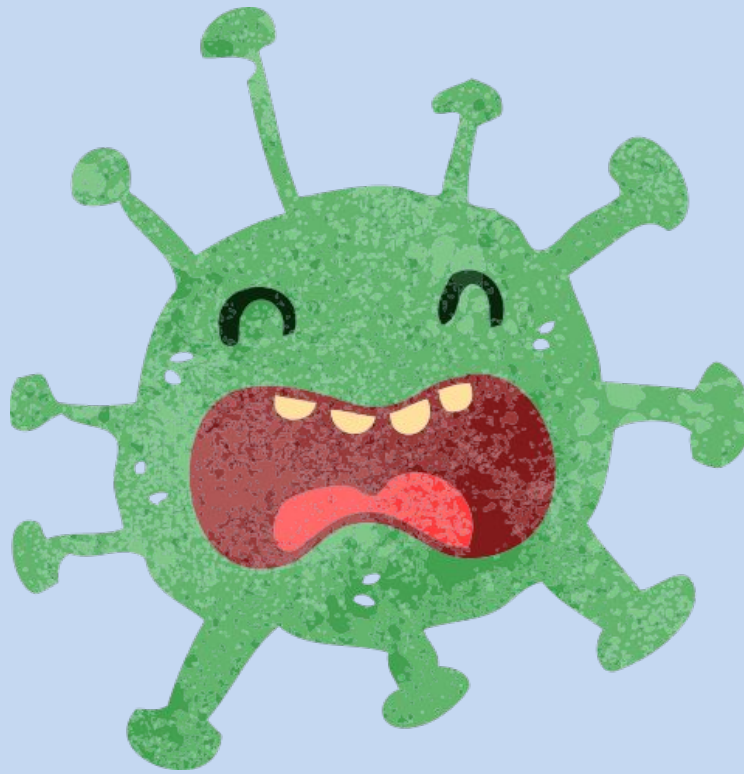
सोना



डीप ब्रीदिंग

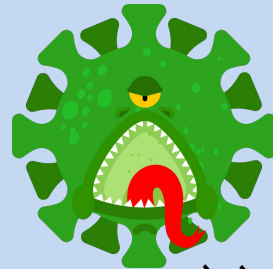
हम कभी-कभी इतनी चिंता करते हैं कि हम अपनी पसंद की चीजें करना भी बंद कर देते हैं। और फिर हमारा सारा खाली स्थान भर जाता है चिंताओं और बुरे विचारों के साथ। जैसे-जैसे चिंता बढ़ती है, उसके साथ कोरोना चिंता का राक्षस भी बढ़ता जाता है। यह हमें दुखी करता है... परेशान.. यह हमारी आशा को मारता है।





यह मुझे मार देंगे बचाओ

SAM.
SAMMM



ओहो। यह बच्चे तो बहुत बहादुर हैं
प्लीज मुझे मत मारो

BAM.
BAMMM



इसलिए हमें ऐसी गतिविधियाँ करनी चाहिए जो हमें खुश करें और हमारे मन को अच्छे विचारों और आशाओं से भर दें...



पांचवा कदम बच्चो को सवाल पूछने पर प्रोत्साहित करें



“तुम मुझे कोई भी सवाल जो तुम्हारे मन में है पूछ सकते हो , तुम्हे घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है ।”

“ अगर तुम्हारे पास अभी कोई सवाल नहीं तोह कोई बात नहीं है... तुम बाद में जब तुम्हारा मन करें, जब तुम्हारे पास सवाल हो तुम वापस आ सकते हो...”

बताने के बाद क्या करें ?

दिनचर्या के मदद से सामान्य स्थिति में संतुलन बनाए ।

व्यवहार में किसी भी तरह के बदलाव पर नजर रखें।

बच्चे के साथ संवाद करें। सुने और बात करे ।

बच्चे में उदासी, परेशानी , क्रोधित, भ्रमित होने की भावनाओं को स्वीकार करना ।

यदि बच्चा चिंतित होता है, पीछे हट जाता है, बार-बार रोने लगता है, खुद को नुकसान पहुँचाने के लक्षण दिखता है....मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से सलाह लें।

बच्चे को घबराहट या चिंता होने की स्थिति में गहरी साँस लेने के व्यायाम, निर्देशित (गाइडेड) इमेजरी का उपयोग करें ।

बच्चे को आश्वस्त करें कि वह अकेला नहीं है ।

याद रखें ...

बच्चे जिज्ञासु होते हैं।

उनके पास प्रश्न हैं।

वे जानना चाहते हैं।

उन्हें जानने की जरूरत है।

उन्हें जानने का अधिकार है।

SAMVAD

Support, Advocacy & Mental Health Interventions for Children in Welfare Institutions, Unaccompanied and Street Children in India
 (A National Resource Centre for Child Protection, Research, Training & Technical Support)
 Dept. of Child and Adolescent Psychiatry, NIMHANS, Bangalore
 Supported by: Ministry of Women & Child Development, Government of India

सेविंग चिल्ड्रन फ्रॉम द ब्रिंक
कोविड संकट में बाल संरक्षण सम्बंधित
मुश्किलों पर कार्य करना।

मंगलवार, 25th May 2021
 5:30-8:00PM




SAMVAD

Support, Advocacy & Mental Health Interventions for Children in Welfare Institutions, Unaccompanied and Street Children in India
 (A National Resource Centre for Child Protection, Research, Training & Technical Support)
 Dept. of Child and Adolescent Psychiatry, NIMHANS, Bangalore
 Supported by: Ministry of Women & Child Development, Government of India

वरीज़...प्लाय अवे!
बच्चों को कोविड से संबंधित डर और
चिंताओं में मदद करना।

गुरुवार, 27th May 2021
 5:30-8:00PM



SAMVAD

Support, Advocacy & Mental Health Interventions for Children in Welfare Institutions, Unaccompanied and Street Children in India
 (A National Resource Centre for Child Protection, Research, Training & Technical Support)
 Dept. of Child and Adolescent Psychiatry, NIMHANS, Bangalore
 Supported by: Ministry of Women & Child Development, Government of India



ब्रेकिंग बेड न्यूज़:
बच्चों के समक्ष कोविड संकट से जुड़ी
बीमारी और मृत्यु के बारे में बातचीत
करना।

शनिवार , 29May 2021
 5:30-8:00PM




SAMVAD

Support, Advocacy & Mental Health Interventions for Children in Welfare Institutions, Unaccompanied and Street Children in India
 (A National Resource Centre for Child Protection, Research, Training & Technical Support)
 Dept. of Child and Adolescent Psychiatry, NIMHANS, Bangalore
 Supported by: Ministry of Women & Child Development, Government of India

इन माय हार्ट फॉरएवर:
कोविड संकट में क्षति
और दुख से जुड़े बच्चों के अनुभवों
का समर्थन करना।

सोमवार, 31st May 2021
 5:30-8:00PM



SAMVAD's COVID Series...
"Children in the Covid Crisis...Like We Never Expected It to Be:
The What and How of Working with Child Protection and
Psychosocial Issues"